**भारत सरकार**

**कृषि मंत्रालय**

**कृषि एवं सहकारिता विभाग**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 162**

**6 दिसम्‍बर, 2013 को उत्‍तरार्थ**

**विषय : संकर किस्‍म के चावल का उत्‍पादन।**

**162. श्रीमती वानसुक साइम :**

**क्‍या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :**

(क) क्‍या संकर किस्‍म के चावल में चावल की पैदावार में स्‍थानीय किस्‍मों की अपेक्षा 20-30 प्रतिशत तक की उल्‍लेखनीय वृद्धि करने की क्षमता है;

(ख) क्‍या सरकार ने संकर किस्‍मों के चावल क्षेत्र के वर्तमान 7 प्रतिशत के मुकाबले 2015 तक संकर किस्‍म के चावल क्षेत्र को 25 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्‍य तय किया है; और

(ग) क्‍या चीन में वर्तमान में चावल क्षेत्र का आधे से भी अधिक क्षेत्र संकर चावल के अंतर्गत आता है जिससे प्रतिवर्ष अनुमानत: 60 मिलियन से भी अधिक लोगों को बेहतर खाद्य सुरक्षा प्राप्‍त होती है?

**उत्‍तर**

**कृषि एवं खाद्य प्रसंस्‍करण उद्योग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (श्री तारिक अनवर)**

1. जी हां, अधिक उपज देने वाली किस्‍मों की तुलना में संकर किस्‍म के चावल में चावल की पैदावार में कम से कम 15-20 प्रतिशत की वृद्धि करने की क्षमता है।
2. भारत सरकार द्वारा संकर चावल के अंतर्गत क्षेत्र बढ़ाने का कोई लक्ष्‍य तय नहीं किया गया है। तथापि चावल के उत्‍पादन में वृद्धि करने के लिए भारत सरकार राष्‍ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) एवं पूर्वी भारत में हरित क्रान्‍ति लाना (बीजीआरईआई) – राष्‍ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) आदि की उप-स्‍कीम जैसे विभिन्‍न फसल विकास कार्यक्रमों के माध्‍यम से संकर चावल की खेती को बढ़ावा दे रही है।
3. चीन में कुल चावल क्षेत्र (29 मिलियन हैक्‍टेयर) के 50 प्रतिशत पर संकर चावल की खेती की जाती है।

xxxxx